कलाम KALAM ACADEMY, SIKAR

3rd Grade Test Series-2025 L-1 Minor - 02 [Revised ANSWER KEY] HELD ON : 18/08/2025

Q.	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
Ans.	3	3	2	2	1	2	2	2	1	2	1	3	3	3	1	2	2	4	2	4
Q.	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40
Ans.	2	4	1	2	2	2	3	2	3	4	2	1	4	4	2	2	3	3	2	1
Q.	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60
Ans.	1	3	1	4	4	3	3	1	4	3	3	4	3	3	3	2	4	4	2	2
Q.	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80
Ans.	4	2	3	4	4	1	3	3	1	2	2	2	1	2	1	1	3	3	3	1
Q.	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
Ans.	1	3	3	1	2	2	1	2	4	1	4	2	1	3	2	2	1	1	4	2
Q.	101	102	103	104	105	106	107	108	109	110	111	112	113	114	115	116	117	118	119	120
Ans.	1	1	2	1	2	3	4	4	4	*	4	3	1	3	4	2	2	4	2	3
Q.	121	122	123	124	125	126	127	128	129	130	131	132	133	134	135	136	137	138	139	140
Ans.	2	1	4	3	4	1	3	3	3	4	2	1	3	2	2	3	2	1	2	1
Q.	141	142	143	144	145	146	147	148	149	150										
Ans.	3	2	1	1	3	1	4	1	2	2										

Minor-02
L-1
Solution

1. **Ans. 3**
- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 155 के अनुसार राज्य के राज्यपाल को राष्ट्रपति द्वारा अपने हस्ताक्षर और मुद्रा सहित अधिपत्र द्वारा नियुक्त किया जाता है।

2. **Ans. 3**
- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 192 के अनुसार – राज्य विधानमंडल का कोई सदस्य अनु. 191(1) में वर्णित निर्हरता से ग्रस्त होने पर इनकी अयोग्यता (दल-बदल को छोड़कर) से संबंधित विवाद का निर्णय राज्यपाल करता है। ऐसा निर्णय करने से पहले राज्यपाल राष्ट्रीय निर्वाचन आयोग से राय लेता है तथा उसकी राय के अनुसार कार्य करता है। राज्यपाल का यह निर्णय अंतिम होता है।

3. **Ans. 2**
- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 267 के अनुसार राज्य की आकस्मिक निधि राज्यपाल के अधीन होती है। इस निधि की स्थापना राज्य विधान मंडल द्वारा की जाती है।

4. **Ans. 2**
- राज्य पुनर्गठन आयोग की सिफारिशों के आधार पर 1 नवम्बर, 1956 ई. से 7वें संविधान संशोधन द्वारा राजस्थान को राज्य की श्रेणी में शामिल किया गया। अत: इस दिन से राजस्थान में राजप्रमुख का पद समाप्त कर दिया गया तथा राज्यपाल का पद सृजित हुआ। **श्री गुरुमुख निहाल सिंह** को **25 अक्टूबर, 1956 ई.** को राजस्थान के पहले राज्यपाल के रूप में नियुक्त किया गया। इन्होंने अपना पदभार 1 नवम्बर, 1956 को संभाला।

5. **Ans. 1**
- 7वें संविधान संशोधन 1956 की **धारा 7** द्वारा अनुच्छेद 158(3क) जोड़कर यह प्रावधान किया गया कि यदि दो या अधिक राज्यों का एक राज्यपाल है तो उसको दिये जाने वाली उपलब्धियाँ और भत्ते राष्ट्रपति द्वारा तय मानकों के हिसाब से राज्य मिलकर प्रदान करेंगे।

6. **Ans. 2**
- 91वें संविधान संशोधन, 2003 द्वारा अनुच्छेद 164 (1 क) जोड़कर प्रावधान किया गया कि किसी राज्य की मंत्रिपरिषद् में मुख्यमंत्री सहित मंत्रियों की अधिकतम संख्या उस राज्य की विधानसभा की कुल सदस्य संख्या के 15% से अधिक नहीं होगी परन्तु किसी राज्य में मुख्यमंत्री सहित मंत्रियों की संख्या 12 से कम भी नहीं होगी।

7. **Ans. 2**
- मुख्यमंत्री के कर्त्तव्यों का उल्लेख संविधान के अनुच्छेद 167 में है जो कि निम्न है-

अनुच्छेद 167 के अनुसार मुख्यमंत्री का यह कर्त्तव्य होगा कि वह-

(a) राज्य सरकार के प्रशासनिक और विधायी मामलों से संबंधित **मंत्रिपरिषद के विनिश्चिय की सूचना** राज्यपाल को देगा।

(b) राज्य सरकार के प्रशासनिक और विधायी मामलों से संबंधित जो जानकारी राज्यपाल माँगे, वह उसे देगा।

(c) किसी विषय जिस पर किसी मंत्री ने विनिश्चिय कर लिया हो लेकिन मंत्रिपरिषद ने विचार नहीं किया हो तो राज्यपाल के अपेक्षा किये जाने पर वह उसे मंत्रिपरिषद के समक्ष विचार हेतु रखेगा।

8. **Ans. 2**
- मोहनलाल सुखाड़िया का राजस्थान के मुख्यमंत्री के रूप में सबसे लम्बा कार्यकाल रहा।
- यह इस पद पर 16 वर्ष 194 दिन तक रहे।
- इन्होंने 4 बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण की।

9. **Ans. 1**
- राजस्थान के वर्तमान मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा क्रमश: 26वें और व्यक्तिश: 14वें मुख्यमंत्री है। इन्होंने 15 दिसम्बर, 2023 को मुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण की।

10. Ans. 2

- राजस्थान की प्रथम विधानसभा (1952-1957) में कुल सदस्य संख्या 160 थी जबकि इस समय विधानसभा क्षेत्र 140 ही थे जिनमें से 20 विधानसभा क्षेत्र द्विसदस्यीय थे।

  नोट- इस समय अजमेर-मेरवाड़ा के लिए पृथक से 30 सदस्य की विधानसभा थी जिसे 'धारा सभा' नाम से जाना जाता था। 1 नवंबर, 1956 को अजमेर-मेरवाड़ा की धारा सभा का विलय कर देने से राजस्थान विधानसभा में सदस्य संख्या 190 हो गई थी।

11. Ans. 1

- विधानसभा में सदस्यों का **प्रत्यक्ष निर्वाचन सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार** के आधार पर होता है।
- फर्स्ट पास्ट द पोस्ट सिस्टम से गुप्त मतदान प्रणाली से होता है। इस प्रकार कथन में खुली मतदान प्रणाली गलत है क्योंकि विधानसभा सदस्यों का निर्वाचन बंद मतदान प्रणाली से होता है।

12. Ans. 3

- 8वीं विधानसभा (1985-90) में अध्यक्ष रहे हीरालाल देवपुरा 23 फरवरी 1985 से 10 मार्च 1985 तक राजस्थान के मुख्यमंत्री रहे। इनका कार्यकाल न्यूनतम (16 दिन) का रहा।

  प्रश्न के अन्य विकल्प -

  लक्ष्मण सिंह - राजस्थान विधानसभा में प्रथम गैर कांग्रेसी अध्यक्ष रहे।

  रामनिवास मिर्धा- राजस्थान विधानसभा में सर्वाधिक कार्यकाल वाले अध्यक्ष रहे।

  समर्थलाल मीणा- राजस्थान विधानसभा में न्यूनतम कार्यकाल वाले अध्यक्ष रहे।

13. Ans. 3

- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 174 के अनुसार राज्यपाल समय-समय पर राज्य के विधानमंडल के सत्र आहुत करता है, सत्रावसान करता है तथा विधानसभा का विघटन कर सकता है।
- विधानमंडल के दो सत्रों के बीच 6 माह से अधिक का अंतराल नहीं होना चाहिए।

14. Ans. 3

- विधानमंडल के लिए संविधान के विभिन्न अनुच्छेद व उनमें उल्लेखित प्रावधान निम्नानुसार हैं-

  1. अनुच्छेद 172 - विधानसभा का कार्यकाल
  2. अनुच्छेद 173 - विधानमंडल के सदस्यों की योग्यताएँ
  3. अनुच्छेद 188 - विधानमंडल के सदस्यों की शपथ के संबंध का प्रावधान।
  4. अनुच्छेद 191 - विधानमंडल के सदस्यों की अयोग्यताएँ

15. Ans. 1

- राजस्थान विधानसभा की वितीय समितियों के अध्यक्ष निम्नानुसार है-

	वर्तमान विधानसभा समितियाँ	अध्यक्ष
1.	लोक लेखा समिति (अध्यक्ष+विपक्ष का)	टीकाराम जूली
2.	प्राक्कलन समिति (क)-	अर्जुनलाल जीनगर
3.	प्राक्कलन समिति (ख)-	बाबू सिंह राठौड़
4.	राजकीय उपक्रम समिति-	कालीचरण सराफ

16. Ans. 2

- राजस्थान में 14वीं विधानसभा के चुनावों में प्रथम बार नोटा (NOTA) का प्रयोग किया गया। जबकि 12वीं विधानसभा के चुनावों में पहली बार संपूर्ण राज्य में ईवीएम (EVM) मशीन का प्रयोग किया गया।

17. Ans. 2

- **अनु.** 214 के तहत प्रत्येक राज्य के लिए एक उच्च न्यायालय होगा।
- **अनु.** 231- संसद विधि बनाकर दो या अधिक राज्यों के लिए अथवा दो या अधिक राज्यों और किसी संघ शासित प्रदेश के लिए एक ही उच्च न्यायालय स्थापित कर सकती है।
- भारत के संविधान में प्रत्येक राज्य के लिए एक उच्च न्यायालय की व्यवस्था की गई है लेकिन **7वें संविधान संशोधन अधिनियम** 1956 में संसद को अधिकार दिया गया है कि वह दो या दो से अधिक राज्यों एवं एक संघ राज्य क्षेत्र के लिए एक साझा उच्च न्यायालय की स्थापना कर सकती है।

18. Ans. 4

- राजस्थान उच्च न्यायालय के संदर्भ में कुछ विशेष तथ्य –
  प्रथम मुख्य न्यायाधीश- के.के.वर्मा (कमलकांत वर्मा)
  वर्तमान मुख्य न्यायाधीश – के.आर.श्रीराम
  सर्वाधिक अवधि तक रहने वाले मुख्य न्यायाधीश- कैलाश वांचू
  राजस्थान उच्च न्यायालय के ऐसे न्यायाधीश जिन्होंने अपना पद त्याग (Resigned) किया – एस.के.गर्ग

19. Ans. 2

- राजस्थान में 36 न्यायिक पद (Judgeships) है जिनमें से 19 जोधपुर पीठ के अधीन तथा 17 जयपुर पीठ के अधीन है। तथा इन्हीं 36 न्यायिक पदों के अधीन 1306 कोर्ट्स है।
- **मुख्यपीठ जोधपुर के अधीन**- जोधपुर जिला, जोधपुर शहर (Metropolitan), पाली, जालौर, सिरोही, बालोतरा, जैसलमेर, बीकानेर, हनुमानगढ़, गंगानगर, चूरू, उदयपुर, राजसमंद, चितौड़गढ़, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, मेड़ता, भीलवाड़ा।
- **मुख्यपीठ जयपुर के अधीन**- जयपुर जिला, जयपुर शहर (Metropolitan)-I, जयपुर शहर(Metropolitan)-II, झुंझुनूं, सीकर, दौसा, अलवर, भरतपुर, धौलपुर, करौली, सवाई माधोपुर, कोटा, बूंदी, झालावाड़, बारां, अजमेर, टोंक।

20. Ans. 4

- राज्य शासन सचिवालय वह स्थान है जहाँ से शासन व प्रशासन के सत्ता-सूत्रों का संचालन होता है। राजस्थान शासन सविचालय का एकीकृत रूप **13 अप्रेल 1949** में अस्तित्व में आया।
- **मुख्य सचिव का चयन राज्य का मुख्यमंत्री करता है।**
- **अवशिष्ट वसीयतदार**- मुख्य सचिव वे सभी कार्य भी करता है जो विशिष्ट रूप से किसी सचिव को आवण्टित नहीं किये जाते है
- वर्तमान मुख्य सचिव – **श्री सुंधाश पंत**

21. Ans. 2

- राजस्थान उच्च न्यायालय के संदर्भ में तथ्य –
  राज्य के प्रथम मुख्य सचिव – के. राधाकृष्णन्
  सर्वाधिक अवधि वाले मुख्य सचिव – भगतसिंह मेहता
  न्यूनतम कार्यकाल वाले मुख्य सचिव – आर.डी. थापर
  मुख्य सचिव जो सचिवालय पुनर्गठन समिति (1969) के अध्यक्ष रहे – मोहन मुखर्जी

22. Ans. 4

- जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का अध्यक्ष (आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 की धारा 25 के द्वारा राज्य सरकार द्वारा निर्धारित) जिला कलेक्टर होता है।

23. Ans. 1

- राजस्थान पुलिस का गठन जनवरी, 1951 में किया गया तथा राजस्थान पुलिस सेवा का गठन भी वर्ष 1951 में हुआ।

24. Ans. 2

- लोकसभा के चुनाव में चुनाव अधिकारी जिला कलेक्टर होता है तथा उपचुनाव अधिकारी उपखंड अधिकारी होता है।
- विधानसभा चुनाव के लिए चुनाव अधिकारी उपखंड अधिकारी होता है।

25. Ans. 2

- बलवंत राय मेहता समिति की सिफारिश के आधार पर पंचायती राज अधिनियम पारित कर उसे लागू करने वाला राजस्थान पहला राज्य बना।
- 2 अक्टूबर, 1959 को नागौर जिले के बगदरी गाँव में प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने देश की पहली त्रिस्तरीय पंचायती राज प्रणाली की शुरूआत की।

26. Ans. 2

- मूल संविधान के भाग IV (नीति निदेशक तत्त्व) के अनुच्छेद 40 में पंचायतों के विकास के लिए राज्य को निर्देशित किया जाता है।
- पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक दर्जा देने हेतु 73वाँ संविधान संशोधन अधिनियम दिसंबर, 1992 में संसद द्वारा पारित किया गया, जो राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के उपरांत 24 अप्रैल, 1993 को लागू हुआ।

27. Ans. 3

- ग्राम सभा का उल्लेख संविधान के अनुच्छेद 243A में है।
- ग्राम सभा में गाँव के समस्त मतदाता शामिल होते हैं।
- ग्राम सभा की बैठक हेतु 1/10 सदस्यों (गणपूर्ति) की उपस्थिति अनिवार्य होती है।

28. Ans. 2

• राज्य में कुल नगर निकाय	–	312
• राज्य में कुल नगर निगम	–	13
• राज्य में कुल नगर परिषद्	–	51
• राज्य में नगर पालिका	–	248

29. Ans. 3

- नगरीय निकायों हेतु संविधान के विभिन्न अनुच्छेद निम्नानुसार है-

243P	-	परिभाषाएँ
243Q	-	नगरपालिकाओं का गठन
243R	-	नगरपालिकाओं की सरंचना
243S	-	वार्ड समितियों आदि का गठन और सरंचना

30. Ans. 4

- दिनाँक 17 जुलाई, 2025 को जारी नोटिफिकेशन के द्वारा राजस्थान लोक सेवा आयोग में एक अध्यक्ष व 10 सदस्यों (कुल 11) का प्रावधान किया गया है।

31. Ans. 2

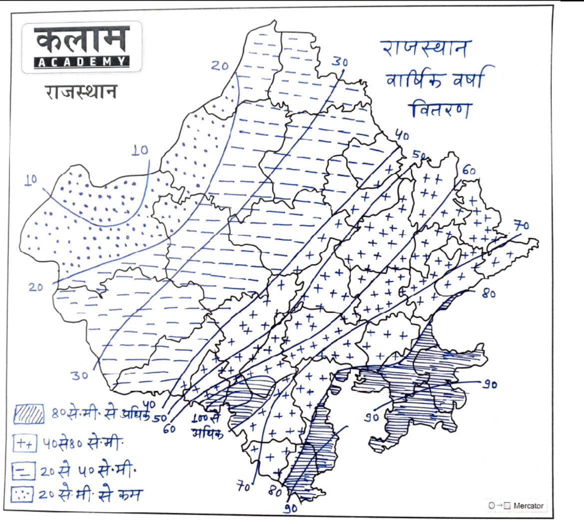

32. Ans. 1

33. Ans. 4

अर्द्धशुष्क/स्टेपी जलवायु प्रदेश

- 25 सेमी समवर्षा रेखा व अरावली के मध्य के क्षेत्र में अर्द्धशुष्क जलवायु मिलती है।
- इस क्षेत्र में औसत वार्षिक वर्षा 25 सेमी से अधिक व 50 सेमी से कम होती है।
- जोधपुर इस जलवायु प्रदेश का प्रतिनिधि जिला है।
- इसमें गंगानगर, बीकानेर, जोधपुर, बाड़मेर, टोंक, चूरू, सीकर, झुन्झुनूं, नागौर, पाली व जालौर का अधिकांश क्षेत्र आता है।

34. Ans. 4

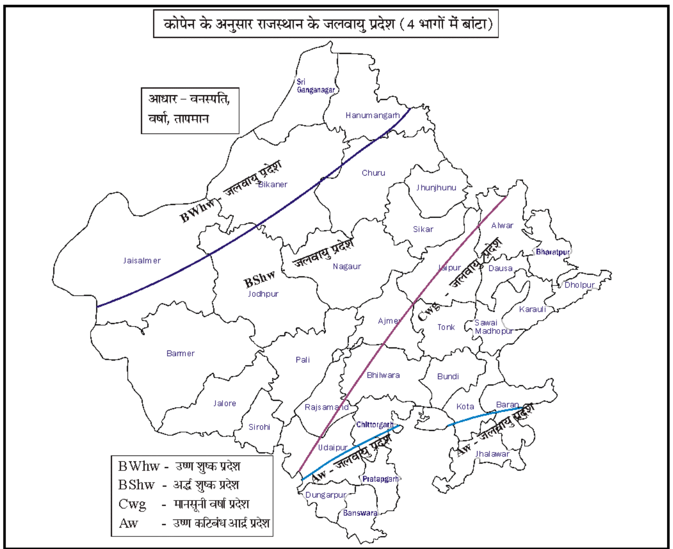

35. Ans. 2

- **कोपेन के जलवायु वर्गीकरण में प्रयुक्त वर्णाक्षरों का अर्थ-** A-उष्ण आर्द्र, B-शुष्क, C-उपार्द्र, W-पूर्ण शुष्क, S-अर्द्ध शुष्क/स्टेपी, w-शीत शुष्क, s-ग्रीष्म शुष्क, h-गर्म, g-गंगा तुल्य जलवायु।

36. Ans. 2

- शुष्क जलवायु क्षेत्र 25 सेमी समवर्षा रेखा के पश्चिम में स्थित है। जहाँ औसत वार्षिक वर्षा 25 सेमी से कम होती है।

37. Ans. 3

- सामान्यत: राजस्थान में होने वाली औसत वार्षिक वर्षा **57.51 सेमी.** है।
- राजस्थान की औसत वार्षिक वर्षा भारत में सबसे कम है अत: राजस्थान भारत का सबसे शुष्क व कम वर्षा वाला राज्य है।
- आर्थिक समीक्षा 2024-25 के अनुसार राज्य में 1 जून से 30 सितम्बर 2024 तक की समयावधि में वास्तविक वर्षा 662.44 मिमी दर्ज की गई जो कि सामान्य वर्षा 417.46 मिमी की तुलना में 58.68 प्रतिशत अधिक रही है।

38. Ans. 3

- अक्टूबर के प्रारम्भ में कर्क रेखा पर बना न्यून दाब का क्षेत्र समाप्त हो जाता है, अत: मानसूनी हवाएँ लौटने लगती हैं।
- मानसूनी हवाओं का लौटना मानसून का प्रत्यावर्तन कहलाता है।
- **मानसून का प्रत्यावर्तन शरद् ऋतु (अक्टूबर से दिसम्बर)** के दौरान होता है।
- इस समय हवाएँ शांत, हल्की व अत्यधिक परिवर्तनशील होती हैं।
- इस ऋतु में राजस्थान में वर्षा नहीं होती है।

39. Ans. 2

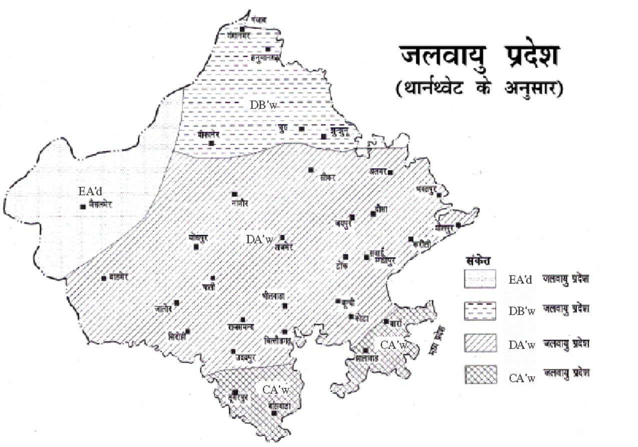

40. Ans. 1

- **पछुआ पवनों** के साथ भूमध्य सागर से आने वाले **शीतोष्ण कटिबन्धीय चक्रवातों** से राजस्थान समेत उत्तरी पश्चिमी भारत में शीतकालीन वर्षा होती है।
- इन **भूमध्य सागरीय चक्रवातों** को **पश्चिमी विक्षोभ/गोल्डन ड्रोप** भी कहते हैं।
- **पश्चिमी विक्षोभ** के कारण होने वाली शीतकालीन वर्षा को स्थानीय भाषा में '**मावठ**' कहते है। जो जनवरी फरवरी में होती है। **मावठ**' रबी की फसल विशेषकर **गेहूँ, चना, जौ, सरसों, मालटा एवं किन्नू** के लिए वरदान होती है।

41. Ans. 1

वर्षा की परिवर्तनवशीलता

- वर्षा की कुल मात्रा जहाँ अधिक होती है वहाँ परिवर्तनशीलता (परिवर्तिता या प्रतिशत परिवर्तन) कम होती है तथा जहाँ वर्षा की कुल मात्रा कम होती है वहाँ परिवर्तनशीलता अधिक होती है। अर्थात् वर्षा की कुल मात्रा एवं वर्षा की परिवर्तनशीलता में विपरीत संबंध होता है।
- **राजस्थान** में मानसून के दौरान (जून से सितम्बर) वर्षा की **परिवर्तनशीलता/परिवर्तिता/भिन्नता** सामान्यत: पूर्व से पश्चिम की ओर बढ़ती जाती है, जो **सुदूर पश्चिम (जैसलमेर)** में सर्वाधिक पायी जाती है।

राजस्थान में वर्षा की परिवर्तनशीलता-2021

सामान्य से अधिक वर्षा	सामान्य से कम वर्षा
1. जैसलमेर (69%)	1. सिरोही (33%)
2. चूरू (65%)	2. श्रीगंगानगर (29%)
3. बूँदी (55%)	3. जालौर (12%)

- राजस्थान में सर्वाधिक वर्षा वाला जिला **झालावाड़** (100 सेमी) है अत: झालावाड़ राजस्थान का सबसे आर्द्र जिला है।
- राजस्थान में सर्वाधिक वर्षा वाला स्थान-**माउण्ट आबू (150 सेमी)**
- राजस्थान में न्यूनतम वर्षा वाला जिला- **जैसलमेर (10 सेमी)**
- राजस्थान में न्यूनतम वर्षा वाला स्थान- **सम (जैसलमेर)**
- अरावली के पूर्व में 50 से 100 सेमी. व पश्चिम में 50 सेमी से कम वार्षिक वर्षा होती है।

42. Ans. 3

BShw - यह जलवायु अर्द्धशुष्क या स्टेपी जलवायु प्रदेश में पाई जाती है जिसके अंतर्गत दक्षिणी जैसलमेर, बाड़मेर, जालौर, सिरोही, पाली, जोधपुर, नागौर, सीकर, चुरू, झुन्झुनूं जिले आते हैं। नागौर जिला इसका प्रतिनिधि जिला है।

43. Ans. 1

राजस्थान में दक्षिणी-पश्चिमी मानसून का आगमन

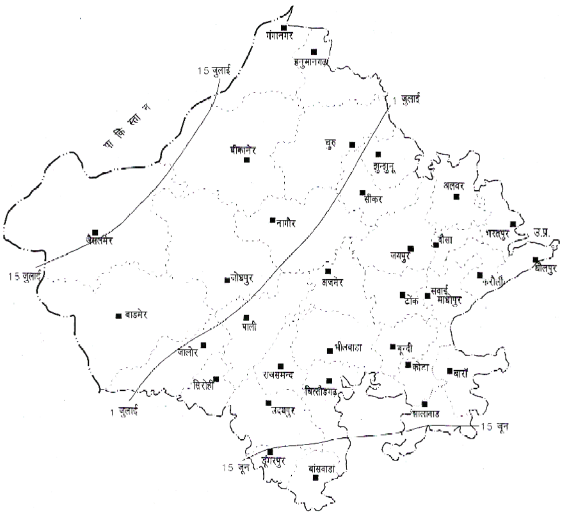

44. Ans. 4

- राजस्थान में वर्षा ऋतु का काल मध्य जुलाई से सितम्बर तक है। जिसमें हिन्द महासागर की ओर से दक्षिणी-पश्चिमी मानसूनी पवनें चलती हैं।
- राजस्थान में मानसून के पहुँचने की सामान्य तिथि 15 जून है। लेकिन 15 से 20 जून या जून के अंतिम सप्ताह तक मानसून राजस्थान में प्रवेश करता है।
- राजस्थान की कुल वार्षिक वर्षा की 90 से 95 प्रतिशत वर्षा मानसूनी पवनों से होती है। (जुलाई से सितम्बर तक 3 माह में)

45. Ans. 4

- कई बार संवहन करती हुई वायु के साथ समुद्र की ओर से आने वाली आर्द्र हवाएँ मिलती हैं। जिससे वज्र तूफान (Thunder Storm) बनते हैं, जिनमें तड़ित (बिजली), मेघ गर्जन के साथ वर्षा व ओलावृष्टि भी होती है। इस वर्षा को मानसून पूर्व की वर्षा (Pre Monsoon) भी कहा जाता है, जो अप्रेल-मई माह में होती है।
- राजस्थान में उत्तर-पश्चिम से दक्षिण-पूर्व की ओर चलने पर वायु की तीव्रता का प्रभाव कम होता जाता है, राज्य के दक्षिणी व दक्षिणी-पूर्वी भाग का पर्वतीय, पठारी व वनस्पति युक्त होना भी वायु के प्रभाव को कम करता है।

46. Ans. 3

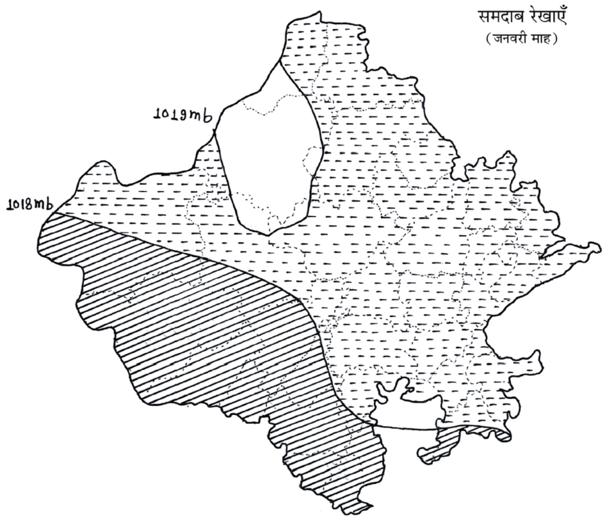

47. Ans. 3

- अरब सागरीय शाखा के मार्ग में अवरोध नहीं होने के कारण मानसूनी पवनें बिना रूके आगे बढ़ जाती है।
- अरब सागरीय शाखा से केवल दक्षिणी राजस्थान (मुख्यत: सिरोही) में वर्षा होती है।
- बंगाल की खाड़ी वाली शाखा के लिए अरावली की अवस्थिति अवरोध उत्पन्न करती है अत: इस शाखा से राजस्थान में अधिकांश वर्षा प्राप्त होती है तथा यह शाखा मुख्यत: राजस्थान के पूर्वी भाग में वर्षा करवाती है।

नोट- सम्पूर्ण राजस्थान में बंगाल की खाड़ी शाखा से अधिक वर्षा प्राप्त होती है। केवल दक्षिणी राजस्थान में अरब सागर की शाखा से अधिक वर्षा होती है।

- दक्षिण-पूर्व से उत्तर-पश्चिम व पूर्व से पश्चिम की ओर जाने पर वर्षा की मात्रा कम होती जाती है तथा वर्षा की अनिश्चितता व परिवर्तनशीलता बढ़ती जाती है।

48. Ans. 1

- राजस्थान में पूर्वी भाग की तुलना में पश्चिमी भाग में जलवायु की चरम सीमाएँ उच्चतर होती है जबकि पूर्वी भाग में निम्नतर होती है।

49. Ans. 4

Aw - यह जलवायु उष्ण कटिबंधीय आर्द्र जलवायु प्रदेश में पाई जाती है जिसके अंतर्गत डूंगरपुर, बांसवाड़ा, प्रतापगढ़, दक्षिणी चित्तौड़गढ़, झालावाड़, दक्षिणी बाराँ जिले आते हैं। बाँसवाड़ा जिला इसका प्रतिनिधि जिला है। ये प्रदेश सवाना तुल्य घास के मैदानों से साम्यता रखते हैं।

50. Ans. 3

- सर्वाधिक दैनिक तापान्तर- जैसलमेर (सम)।
- सर्वाधिक वार्षिक तापान्तर- चूरू।
- सर्वाधिक दैनिक तापान्तर वाले माह- अक्टूबर व नवम्बर।
- न्यूनतम दैनिक तापान्तर वाले माह- जुलाई व अगस्त।

51. Ans. 3

राजस्थान की जलवायु को प्रभावित करने वाले कारक

समुद्र से दूरी-

- राजस्थान अरब सागर के तट से 350 किमी. दूर है अत: यहाँ की जलवायु पर समुद्री प्रभाव नगण्य है और सम्पूर्ण राज्य महाद्वीपीय जलवायु से युक्त है जो गर्म एवं शुष्क होती है।

उच्चावच-

- समुद्र तल से ऊँचाई तापमान एवं आर्द्रता को प्रभावित करती है।
- समुद्र तल से ऊपर की ओर 6.5°C/किमी. या 1°C/165 मी. की दर से तापमान में गिरावट आती है।
- राजस्थान का अधिकांश धरातल 370 मीटर से कम ऊँचा है इसलिए इसकी जलवायु सामान्यत: गर्म है।

अरावली पर्वत की दिशा-

- अरावली पर्वत की दिशा दक्षिण पश्चिम से उत्तर-पूर्व की ओर है जो अरब सागर की ओर से आने वाली मानसूनी हवाओं के समानान्तर है अत: ये हवाएँ राजस्थान में वर्षा किये बिना सीधे निकल जाती है।
- अरावली श्रेणी पश्चिम के थार मरुस्थल की ओर से आने वाली गर्म हवाओं से पूर्वी राजस्थान को बचाती है।

वानस्पतिक आवरण-

- उत्तरी पश्चिमी राजस्थान के मरुस्थल में वनस्पति विहीन धरातल होने के कारण तापान्तर अधिक पाया जाता है।

52. Ans. 4

बंगाल की खाड़ी शाखा

- राजस्थान में अरब सागर की शाखा से बंगाल की खाड़ी की शाखा की तुलना में अत्यन्त कम वर्षा होती है क्योंकि अरब सागरीय शाखा की दिशा अरावली पर्वतमाला के समानान्तर दक्षिण-पश्चिम से उत्तर-पूर्व है अत: अरब सागरीय शाखा के मार्ग में अवरोध नहीं होने के कारण ये बिना रूके आगे बढ़ जाती है।
- अरब सागरीय शाखा से केवल दक्षिणी राजस्थान (मुख्यत: सिरोही) में वर्षा होती है।
- बंगाल की खाड़ी वाली शाखा के लिए अरावली की अवस्थिति अवरोध उत्पन्न करती है अत: इस शाखा से राजस्थान में अधिकांश वर्षा प्राप्त होती है तथा यह शाखा मुख्यत: राजस्थान के पूर्वी भाग में वर्षा करवाती है।

53. Ans. 3

- राजस्थान में सर्वाधिक लौह अयस्क जयपुर व दौसा से उत्पादित किया जाता है।

जिला	प्रमुख क्षेत्र
जयपुर	मोरीजा-बानोल, बोमानी, चौमू सामोद क्षेत्र
दौसा	नीमला-रायसेला, लालसोट क्षेत्र
उदयपुर	नाथरा की पाल, थूर-हुण्डेर
सीकर	रामपुरा, डाबला
झुंझुनू	डाबला-सिंघाना, ताओन्दा, काली पहाड़ी
भीलवाड़ा	पुर-बनेड़ा, जहाजपुर, बीगोद
बूंदी	लोहारपुरा, मोहनपुरा
करौली	देदरोली, खोरा, लिलोती, टोडूपुरा

54. Ans. 3

राजस्थान के बजट 2025-26 के प्रावधानों के अनुसार **'इंस्टीट्यूट ऑफ माइन्स'** की स्थापना **उदयपुर** में किया जाना प्रस्तावित है।

55. Ans. 3

- राज्य में ताँबे के 13 करोड़ टन से अधिक के भण्डार हैं, जिनमें से 9 करोड़ टन के लगभग ताँबा भण्डार खेतड़ी सिंघाना क्षेत्र (झुन्झुनूं के खेतड़ी-सिंघाना से सीकर के रघुनाथगढ़ तक पट्टी) में पाये जाते हैं।

उत्पादन क्षेत्र-

- **अलवर**- खो - दरीबा, थानागाजी, कुशलगढ़, सेनपरी, भगत का बास, भगोनी।
- **अजमेर**- हनोतिया व गोलिया, सावर, मोहनपुरा, फरकिया

56. Ans. 2

कोयला उत्पादन क्षेत्र-

- **बाड़मेर**- गिरल, कपूरड़ी, जालीपा, बोथिया, भाड़खा, गूंगा, शिव
- **नागौर**- कसनऊ, इग्यार, मातासुख, मोकला, मेड़ता रोड़
- **बीकानेर**- पलाना, बरसिंगसर, चानेरी, गुढ़ा, बीथनोक, हाड़ला, गंगा सरोवर, मुंध, माधोगढ़, केसरदेशर
- लिग्नाइट कोयला जैसलमेर क्षेत्र में भी मिलता है।

57. Ans. 4

खनिज - उत्पादक क्षेत्र
फेल्सपार - मकरेरा (अजमेर)
मेग्नेसाइट- अजमेर, सेन्दड़ा (पाली)
वर्मीक्यूलाइट - अजमेर
बॉल क्ले - **बीकानेर**
चाइना क्ले (कैओलिन) - **अलवर,** बाड़मेर, भीलवाड़ा, बीकानेर
बेण्टोनाइट - **बाड़मेर, बीकानेर,** सवाईमाधोपुर
फ्लोर्सपार / फ्लोराइट - मांडो की पाल (डूंगरपुर), चौकरी-चापोली (सीकर)
पाइराइट - सलादीपुरा (सीकर)
जास्पर - जोधपुर

रॉक फॉस्फेट - उदयपुर, जैसलमेर, बाँसवाड़ा, जयपुर

58. Ans. 4

रॉक फॉस्फेट -

प्रमुख उत्पादन क्षेत्र-

- **उदयपुर** - झामर कोटड़ा, डाकन कोटड़ा, माटोन, ढोल की पाटी, सीसारमा, कानपुर
- **जैसलमेर** - बिरमानिया, लाठी, फतेहगढ़

कैल्साइट -

प्रमुख उत्पादन क्षेत्र-

- **सिरोही**- बेल्का पहाड़, खिला
- **उदयपुर**- गेफल, राबचा, ढिंकली
- **भीलवाड़ा**- खेड़ा तरला, तेजा का बास, अमलदा, घरटा, जैतपुरा

बैराइट्स -

प्रमुख उत्पादन क्षेत्र-

- **उदयपुर**- रेलपातलिया
- **अलवर**- सैनपुरी, जाहिर का खेड़ा, भानखेड़ा, रामसिंहपुरा, करोली, जामरोली, उमरेण, गिरारा, धोलेरा
- **राजसमंद**- देलवाड़ा-केसुली-नाथद्वारा बेल्ट

फ्लोराइट -

मांडो की पाल (डूंगरपुर), चौकरी-चापोली (सीकर)

59. Ans. 2

जिला	उत्पादन क्षेत्र
नागौर	**गोठ-मांगलोद** (गोटन, मांगलोद, भड़ाना, धाकोरिया)
बीकानेर	**जामसर**, सियासर, पुगल, धोलेरा, जगदेवला, लूणकरणसर
चुरू	भालन, भागीन, साथून, जगासरी
गंगानगर	सूरतगढ़, तोलानिया, रंगमहल, पूरबसर
हनुमानगढ़	नोहर, भादरा
जैसलमेर	मोहनगढ़, **हमीरवाली**, धानी, लाखा
जोधपुर	फालसुन्द
बाड़मेर	कवास, कुरला, उत्तरलाई, **पार** की धानी
पाली	खूटानी

60. Ans. 2

जैसलमेर बेसिन के प्राकृतिक गैस क्षेत्र-

- मनिहारी टिब्बा, चिन्नेवाला टिब्बा, कमली ताल, मोहनगढ़, रामगढ़, घोटारु, तनोट, डांडेवाला, सादेवाला, बाघेवाला, राजेश्वरी, बकरीवाला।
- घोटारु में हीलियम मिश्रित उच्च श्रेणी की गैस के भण्डार मिले हैं।

नोट - रोहिल क्षेत्र सीकर का यूरेनियम उत्पादक क्षेत्र है।

61. Ans. 4

राजस्थान के एकाधिकार (100%) वाले खनिज

- सीसा-जस्ता • सेलेनाइट • वॉलेस्टोनाइट

विभिन्न खनिजों के उत्पादन में राजस्थान का प्रतिशत अंश

- जिप्सम (93%) • एस्बेस्टोस (89%)
- घीया पत्थर / सोप स्टोन (85%)
- रॉक फॉस्फेट (90%) • फेल्सपार (70%)
- केल्साइट (70%) • वुल्फ्रेमाइट (50%)
- तांबा (36%) • अभ्रक (22%)

62. Ans. 2

घीया पत्थर -

प्रमुख उत्पादन क्षेत्र-

- उदयपुर - ओरडा, देपुरा, सलूम्बर, डिंगरी
- राजसमन्द - उसन, कादार (कागदर), जगपुरा
- दौसा - डेगोटा, झारना
- अजमेर - हटूण्डी, चाँदपुरा
- भीलवाड़ा - घेवरीया, जहाजपुर

63. Ans. 3

- राजस्थान में 81 विभिन्न प्रकार के खनिजों के भण्डार हैं। इनमें से वर्तमान में 58 प्रकार के खनिजों का खनन किया जा रहा है।
- देश में सर्वाधिक खनिज विविधता राजस्थान में पायी जाती हैं। इस कारण राजस्थान को खनिजों का अजायबघर कहते हैं।
- राजस्थान में सर्वाधिक खनिज भण्डारण अरावली में पाया जाता है, इसलिए अरावली को "खनिजों का भण्डारगृह" कहा जाता है।
- राजस्थान में खनिजों का क्षेत्रीय वितरण किसी एक प्राकृतिक विभाग में संकेन्द्रित न होकर छितरा हुआ है।
- अधात्विक खनिजों के उत्पादन में राजस्थान प्रथम स्थान पर है।
- खानों की संख्या की दृष्टि से राजस्थान का देश में प्रथम स्थान है तथा देश की 19 प्रतिशत खानें यहाँ स्थित है।

64. Ans. 4

चूना पत्थर -

प्रमुख उत्पादन क्षेत्र-

- सीमेंट ग्रेड - चित्तौड़गढ़ व आसपास के जिलों में
- केमिकल ग्रेड - नागौर व जोधपुर
- स्टील ग्रेड - सोनू क्षेत्र (जैसलमेर)

अन्य क्षेत्र -

- जैसलमेर - सेम, खुईयाला, खींया-खींनसर, राटा मन्धा
- उदयपुर - दरोली, मंदेरिया, सबला-लोहारिया, बिकरानी-खजूरिया
- सिरोही - आमली, किवरेली
- बूंदी - लाखेरी, इन्द्रगढ़
- चित्तौड़गढ़ - भेंसरा, दला का खेड़ा, मानपुरा, सेगवा

नोट - नात की नेरी भीलवाड़ा का प्रमुख अभ्रक उत्पादक क्षेत्र है-

65. Ans. 4

डोलोमाइट उत्पादन क्षेत्र-

- बिट्ठलदेव, त्रिपुरा सुन्दरी, (बांसवाड़ा)
- इसवाल, करोली-कसोली (राजसमन्द)
- धारियावाद (प्रतापगढ़)
- बाजला-काबरा (अजमेर)
- माण्डल (भीलवाड़ा),
- गौरेला-चांदा, खेड़ी (चित्तौड़गढ)
- कोटपुतली, भैंसलाना, रामगढ़ (जयपुर)

66. Ans. 1

पन्ना		**उत्पादन क्षेत्र-**
• राजसमन्द	–	कालागुमान, टिक्की (तीखी), देवगढ़, गढ़बोर
• उदयपुर	–	गोगुन्दा
• अजमेर	–	राजगढ़
तामड़ा उत्पादन क्षेत्र-		
• टोंक	–	राजमहल, जनकपुरा, कुशलपुरा, गांवरी, बागेश्वर
• अजमेर	–	सरवाड़, खरखारी
• भीलवाड़ा	–	कमलपुरा, बलियाखेड़ा
हीरा उत्पादन क्षेत्र-		
• प्रतापगढ़	–	केसरपुरा, मानपुरा

67. Ans. 3

- संगमरमर एक कायान्तरित चट्टान है जो चूना पत्थर के कायान्तरण से बनती हैं।
- मकराना का संगमरमर विश्व प्रसिद्ध है जो **केल्साइटिक** प्रकार का है तथा उदयपुर का संगमरमर **डोलोमाइटिक** प्रकार का हैं।

68. Ans. 3

- **भीलवाड़ा- रामपुरा आगूचा,** गुलाबपुरा, पुर बनेड़ा, तिरंगे, समुदी, देवास, देवपुरा, रेवाड़ा (यहाँ से प्राप्त जस्ता के शोधन हेतु चित्तौड़गढ़ जिले के चंदेरिया मे निजी क्षेत्र में वेदांता कंपनी द्वारा एक जिंक स्मेल्टर संयंत्र स्थापित किया गया है।)

69. Ans. 1

कोयला उत्पादन क्षेत्र-

- **बाड़मेर** - गिरल, कपूरड़ी, जालीपा, बोथिया, भाड़खा, गूंगा, शिव
- **नागौर** - कसनऊ, इग्यार, मातासुख, मोकला, मेड़ता रोड़
- **बीकानेर** - पलाना, बरसिंगसर, चानेरी, गुढ़ा, बीथनोक, हाड़ला, गंगा सरोवर, मुंध, माधोगढ़, केसरदेशर
- लिग्नाइट कोयला जैसलमेर क्षेत्र में भी मिलता है।

70. Ans. 2

सोना उत्पादन क्षेत्र-

- **बाँसवाड़ा** - जगपुरा भूकिया, आनंदपुरा भूकिया, देलवारा पेटी।

अभ्रक उत्पादन क्षेत्र-

- भीलवाड़ा - नात की नेरी, तूनका (टूंका), सिंदिरियास, दांता भूणास
- टोंक - बरला, मानखण्ड
- जयपुर - लक्ष्मी तथा बंजारी, मोती की खान
- उदयपुर - भगतपुरा, चम्पागुढ़ा

मैगनीज उत्पादन क्षेत्र-

- **बाँसवाड़ा** - लीलवानी, नरड़िया, काला खूंटा, तलवाड़ा, सिवोनिया, कांसला, कांचला, रूपाखेड़ी व खेरिया, इटाला, घाटिया, ताँबेसरी (गुरारिया से राठी मुरी बेल्ट), तिम्यामौरी/तिम्मामौरी।
- **उदयपुर** - छोटी सर, बड़ी सर, सरुपपुर, रामौसन
- **राजसमन्द** - नेगड़िया

ताँबा उत्पादन क्षेत्र-

- **झुन्झूनूँ** - खेतड़ी - सिंघाना क्षेत्र, चाँदमारी, कोल्हन, मन्धान (मदान - कुदान), अकावाली (अखवाली), बरखेड़ा, बबाई, बनवासा, ढोलमाला, चिंचोरी, सतकुई, सूरहरि, टुण्डा, करमारी, आदि।

71. Ans. 2

राजस्थान खनिज नीति 2024

- **प्रारम्भ** - 4 दिसम्बर, 2024
- राजस्थान खनिज नीति 2024 का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण तथा सामुदायिक कल्याण सुनिश्चित करते हुए आर्थिक विकास के लिए राज्य के प्रचुर खनिज संसाधनों का लाभ उठाते हुए टिकाऊ, पारदर्शी और जिम्मेदार खनिज विकास को बढ़ावा देना है।
- **विजन** -आर्थिक वृद्धि, तकनीकी के साथ रोजगार सृजन तथा धारणीय संसाधन प्रबंधन द्वारा राजस्थान को भारत के खनिज क्षेत्र में एक नेतृत्वकारी राज्य के रूप में स्थापित करना।

72. Ans. 2

- चाइना क्ले को **केओलिन** नाम से भी जाना जाता है। जो मुख्यतया अलवर, बाड़मेर, भीलवाड़ा व बीकानेर में पाई जाती है।

73. Ans. 1

बाड़मेर-सांचौर बेसिन के ऑयल फील्ड-

- **मंगला, भाग्यम, एश्वर्या, कामेश्वरी, रागेश्वरी, वंदना, सरस्वती, शक्ति, विजया** आदि।

74. Ans. 2

अधात्विक खनिज

- **आणविक खनिज :** यूरेनियम, थोरियम, अभ्रक, लिथियम इत्यादि।
- **उर्वरक खनिज :** जिप्सम, रॉक फास्फेट, पोटाश, पाइराइट्स इत्यादि।
- **क्ले खनिज :** फायर क्ले, बॉल क्ले, चाइना क्ले, मुल्तानी मिट्टी इत्यादि।
- **बहुमूल्य पत्थर :** पन्ना, हीरा, तामड़ा इत्यादि।
- **इमारती पत्थर :** संगमरमर, ग्रेनाइट, सैण्ड स्टोन इत्यादि।
- **ऊर्जा खनिज :** प्राकृतिक गैस, पेट्रोलियम, कोयला इत्यादि।
- **अन्य खनिज :** ऐस्बेस्टॉस, गेरु, फेल्सपार इत्यादि।

75. Ans. 1

- **डिस्ट्रिक्ट मिनरल फाउंडेशन** (डी.एम.एफ.) एक गैर - लाभकारी निकाय के रूप में स्थापित एक ट्रस्ट है, जो खनन कार्यों से प्रभावित जिलों में, खनन प्रभावित व्यक्तियों और क्षेत्रों के हित और लाभ के लिए काम करता है।

76. Ans. 1

- राज्य स्तर पर 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' की शुरूआत 29 मई को केन्द्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी ने रलावता, अजमेर से की।
- यह अभियान राजस्थान के सभी जिलों के 3959 गांवों में चलाया गया व इससे 7.90 लाख किसान लाभांवित हुए।

77. Ans. 3

- 30 अप्रैल, 2025 को राज्य सरकार ने अधिसूचना जारी कर 'इलेक्ट्रोथैरेपी चिकित्सा पद्धति बोर्ड' का गठन किया।
- इस बोर्ड में एक अध्यक्ष व पाँच सदस्य होंगे-
  अध्यक्षः आयुर्वेद आयुष विभाग के प्रमुख सचिव
  सदस्यः हेमंत सेठिया, गोविंदलाल सैनी, कुलदीप वर्मा, हरिसिंह बूमरा एवं एसएस पावेदिया।
- सचिव एवं कार्यकारी अधिकारः निदेशक आयुर्वेदिक विभाग

78. Ans. 3

- ग्रामीण विकास विभाग, राजस्थान द्वारा विधायकों के लिए विकास कार्यों की ऑनलाइन अनुशंसा प्रणाली लागू करने के उद्देश्य से 'ई-वर्क मोबाइल ऐप' लॉन्च किया है।
- इस ऐप के जरिए विधायक सिफारिश किए गए कार्यों की वित्तीय/भौतिक प्रगति, आवंटन राशि एवं स्वीकृति राशि की जानकारी स्वयं मोबाइल पर देख सकेंगे।

79. Ans. 3

- खेलो इण्डिया यूथ गेम्स के 7वें संस्करण का आयोजन 4 से 15 मई तक बिहार की मेजबानी में किया गया। इन खेलों में राजस्थान कुल 60 (24 स्वर्ण, 12 रजत व 24 कांस्य) पदक जीतकर पदक तालिका में तीसरे स्थान पर रहा।
- इन खेलों में राजस्थान की पुरुष वर्ग की कबड्डी टीम ने कांस्य, बॉस्केटबाल पुरुष वर्ग टीम ने रजत, रग्बी महिला वर्ग टीम ने कांस्य पदक जीते।
- इन खेलों में राजस्थान ने सर्वाधिक 14 पदक (9 स्वर्ण, 2 रजत, 3 कांस्य) साइक्लिंग में जीते। (साइक्लिंग में राजस्थान देश में शीर्ष पर रहा)

80. Ans. 1

- नई दिल्ली में आयोजित 23वीं कुमार सुरेंद्र सिंह मेमोरियल राइफल शूटिंग चैम्पियनशिप में मनिनी कौशिक ने **50 मीटर राइफल प्रोन** स्पर्द्धा में राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाते हुए स्वर्ण पदक जीता।

81. Ans. 1

- प्राइम पॉइंट फाउंडेशन द्वारा 15वें संसद रत्न अवॉर्ड 2025 हेतु लोकसभा एवं राज्यसभा के 17 सांसदों तथा दो संसदीय स्थायी समितियों को उनके उत्कृष्ट संसदीय प्रदर्शन हेतु नामित किया गया है।
- राजस्थान के पुरस्कार विजेता सांसद:
  1. मदन राठौड़ (राज्यसभा सांसद, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष)
  2. पी.पी. चौधरी (लोकसभा सांसद, भाजपा)

82. Ans. 3

- देवनारायण कॉरीडार – भीलवाड़ा
- राजस्थान का तीसरा प्रधानमंत्री दिव्याशा केन्द्र – कोटा
- राजस्थान का पहला साइबर सपोर्ट सेन्टर – जयपुर
- राजस्थान का पहला वन्दे भारत मेंन्टेनेंस डिपो – जोधपुर

83. Ans. 3

- बीपीएल परिवारों को स्वरोजगार से जोड़कर गरीबी रेखा से ऊपर लाने के उद्देश्य से 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव योजना' लागू की गई है।
- योजना के प्रथम चरण में प्रत्येक जिले से 122 गांव (कुल 5002 गांव) चिन्हित किए गए हैं।
- इन चिन्हित परिवारों को 21 हजार रुपये की आर्थिक सहायता और आत्मनिर्भर कार्ड दिया जाएगा।

84. Ans. 1

- 26 मई, 2025 को सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने मद्रास हाइकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस के. आर. श्रीराम का तबादला राजस्थान हाइकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के रूप में करने की सिफारिश की है।

85. Ans. 2

- 23 मई, 2025 को राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने निर्वाचन क्षेत्र संख्या 193 अंता जिला बारां से विधायक कंवरलाल मीणा को राजस्थान विधानसभा की सदस्यता से दोषसिद्धि की दिनांक से निरर्हित कर दिया है।
- कंवरलाल मीणा भारतीय जनता पार्टी से विधायक थे।

86. Ans. 2

क्र.सं.	काल-परक	प्रवृत्ति-परक	काल-परक
1	प्राचीन काल	वीरगाथा काल	1050 से 1450 ई.
2	पूर्व मध्य काल	भक्तिकाल	1450 से 1650 ई.
3	उत्तर मध्य काल	शृंगार, रीति एवं नीतिपरक काल	1650 से 1850 ई.
4	आधुनिक काल	विविध विषयों एवं विधाओं से युक्त	1850 ई. से अब तक

87. Ans. 1

- ख्यात वंशावली तथा प्रशस्ति लेखन का विस्तृत रूप है। ख्यातों में राजवंश की पीढ़ियाँ, जन्म मरण की तिथियाँ, किन्हीं विशेष घटनाओं का उल्लेख तथा जिस वंश के लिए ख्यात लिखी गई हो उसके व्यक्ति विशेष के जीवन संबंधी विवरण रहता है।
- ख्यातों का विस्तृत रूप 16वीं शताब्दी के अन्त से बनना आरम्भ हुआ तो इससे पहले का वर्णन कल्पना के आधार पर दिया गया। अर्थात् 16वीं शताब्दी के पूर्व का वर्णन जो इन ख्यातों से उपलब्ध होता है अधिकांश में कपोल कल्पित ही है।

88. Ans. 2

रास-

- यह साहित्य की ऐसी विधा है जिसमें नृत्य, गायन और अभिनय तीनों कलाओं का समावेश मिलता है।

चर्चरी-

- ये रचनाएँ विभिन्न उत्सवों में ताल व नृत्य के साथ गायी जाती है।

सोरठा-

- ये छंद एवं दोहों के रूप में होते हैं।

89. Ans. 4

बीसलदेव रासो, बसंत विलास, मलय सुंदरी कथा प्रारंभिक कालीन लौकिक साहित्य की रचनाएँ हैं जबकि रणमल छंद प्रारंभिक कालीन चारण साहित्य की रचना है।

90. Ans. 1

उपर्युक्त प्रश्नानुसार विकल्प 2, 3 व 4 पूर्णतया सत्य है जबकि विकल्प 1 असत्य है क्योंकि भरतेश्वर बाहुबली रास व्रजसेन सूरि की रचना न होकर शालिभद्र सूरि की रचना है।

व्रजसेन सूरि की रचना **भरतेश्वर बाहुबली घोर** है जो राजस्थानी भाषा की पहली रचना मानी जाती है।

91. Ans. (4)

- ♦ विकास सदैव वृद्धि को प्रभावित करे ऐसा आवश्यक नहीं है क्योंकि विकास सार्थक वृद्धि के अभाव में देखा जा सकता है। जैसे- संज्ञानात्मक, सामाजिक, नैतिक विकास आदि।

92. Ans. (2)

- ♦ वृद्धि विकास का एक भाग है जिसका संबंध मात्रात्मक शारीरिक बढ़ोतरी से है। वृद्धि परिपक्वता पर आकर समाप्त हो जाती है और विकास मृत्यु तक जारी रहता है। अत: वृद्धि के अभाव में देखा जा सकता है।

93. Ans. (1)

94. Ans. (3)

- ♦ अलग-अलग बच्चे चलने की प्रक्रिया के अलग-अलग चरण में हैं। अत: यह व्यक्तिगत भिन्नता के सिद्धांत से संबंधित है। पीडियाट्रीशियन का कथन सिफैलोकॉडल सिद्धांत की पुष्टि करता है। वहीं यह कहना कि भले समय कम या ज्यादा लगे यह सभी के लिए सामान्य प्रक्रिया है, समान प्रतिमान के सिद्धांत से संबंधित है।

95. Ans. (2)

- ♦ राहुल का पहले टूटे हुए निवाले खाना और फिर स्वयं निवाले तोड़कर खाना एकीकरण (इंटीग्रेशन) के सिद्धांत की पुष्टि करता है।

96. Ans. (2)

- ♦ विकास परिपक्वता और अधिगम का गुणनफल है।

97. Ans. (1)

- ♦ उत्तर बाल्यावस्था में कामवासना सुप्त रहती है। अधिकांश समय सामाजिक उपलब्धियों के कार्यों में बीतता है।

98. Ans. (1)

- ♦ एरिक्सन के अनुसार 1 वर्ष आसक्ति के विकास का उचित समय है।

99. Ans. (4)

- ♦ पूर्व बाल्यावस्था के नाम :-

  खिलौनों की अवस्था

  समूह पूर्व अवस्था

  विद्यालय पूर्व अवस्था

  तैयारी की अवस्था (अध्यापक)

  समस्या की अवस्था (माता-पिता)

100. Ans. (2)

- ♦ 6 माह में लगभग दाँत आते हैं। (अस्थायी दूध के दाँत) हालांकि दाँतों का निर्माण गर्भावस्था में हो जाता है।

101. Ans. (1)

- ♦ जिन कार्यों में छोटी मांसपेशियों का प्रयोग हो, उन्हें सूक्ष्म गत्यात्मक कौशल कहते हैं। जैसे- लिखना, वाद्ययंत्र बजाना आदि।

102. Ans. (1)

♦ मैक्डूगल द्वारा प्रदत्त 14 मूल प्रवृत्ति संवेग की सूची में भूख का संबंध भोजनान्वेषण से है।

103. Ans. (2)

♦ कोल व ब्रूस के अनुसार बाल्यावस्था संवेगात्मक विकास का अनोखा काल है।

104. Ans. (1)

♦ सामाजीकरण की पहली इकाई परिवार है।

105. Ans. (2)

♦ ईर्ष्या 18 माह में विकसित होती है।

106. Ans. (3)

$$\frac{1}{1\frac{1}{4}}+\frac{1}{6\frac{2}{3}}-\frac{1}{x}+\frac{1}{10}=\frac{11}{12}$$

$$\frac{1}{\frac{5}{4}}+\frac{1}{\frac{20}{3}}-\frac{1}{x}+\frac{1}{10}=\frac{11}{12}$$

$$\frac{4}{5}+\frac{3}{20}-\frac{1}{x}+\frac{1}{10}-\frac{11}{12}$$

$$\Rightarrow \frac{1}{x}=\frac{4}{5}+\frac{3}{20}+\frac{1}{10}-\frac{11}{12}=\frac{48+9+6-55}{60}$$

$$=\frac{63-55}{60}=\frac{8}{60}=\frac{2}{15}$$

$$\frac{1}{x}=\frac{2}{15}$$

$$x=\frac{15}{2}$$

107. Ans. (4)

$$\left[3\div\left\{2+\left(\frac{26+8}{13}\right)\right\}\right]$$

$$\left[3\div\left\{2+\frac{34}{13}\right\}\right]$$

$$\left[3\div\left\{\frac{26+34}{13}\right\}\right]$$

$$3\div\frac{60}{13}$$

$$3\times\frac{13}{60}=\frac{13}{20}$$

108. Ans. (4)

$$\frac{800}{64}\times\frac{1296}{36}$$

$$\frac{50}{4}\times 36=450$$

109. Ans. (4)

$$\frac{8-[5-(-3+2)]\div 2}{|5-3|-|5-8|\div 3}=\frac{8-[5-(-1)]\div 2}{|2|-|-3|\div 3}=\frac{8-6\div 2}{2-3\div 3}$$

नोट- "| |" इस प्रकार के ब्रेकेट में अंतिम मान हमेशा धनात्मक होता है।

$$\frac{5}{2-1}=\frac{5}{1}=5$$

110. Ans. (*)

$$\frac{\frac{5}{3}\times\frac{17}{5}\text{ of }\frac{7}{51}-\frac{1}{3}}{\frac{2}{9}\times\frac{28}{5}\text{ of }\frac{5}{7}-\frac{2}{3}}=\frac{\frac{5}{3}\times\frac{17}{5}\times\frac{7}{51}-\frac{1}{3}}{\frac{2}{9}\times\frac{4}{1}-\frac{2}{3}}$$

$$\frac{\frac{7}{9}-\frac{1}{3}}{\frac{8}{9}-\frac{2}{3}}=\frac{\frac{4}{9}}{\frac{2}{9}}=2$$

लिपिकीय त्रुटि के कारण इस प्रश्न को **Delete** किया जाता है।

111. Ans. (4)

$$\frac{1.81\times1.81\times1.81+1.19\times1.19\times1.19}{1.81\times1.81-1.81\times1.19+1.19\times1.19}$$

माना $a=1.81$ तथा $b=1.19$

$$\frac{a^3+b^3}{a^2+b^2-ab}=\frac{(a+b)(a^2+b^2-ab)}{a^2+b^2-ab}=a+b$$

$$=1.81+1.19=3$$

112. Ans. (3)

$$[3-4(3-4)^{-1}]^{-1}$$

$$=[3+4]^{-1}\Rightarrow\frac{1}{7}$$

113. Ans. (1)

माना $a = 1.\bar{3}$ तथा $b = 1$

$$\frac{a^3 - b^3}{a^2 + b^2 + ab} = \frac{(a-b)(a^2+b^2+ab)}{a^2+b^2+ab}$$

$$= 1.\bar{3} - 1 = .\bar{3}$$

$$= \frac{3}{9} \Rightarrow \frac{1}{3}$$

114. Ans. (3)

$$\frac{3}{5} = 0.6, \frac{7}{9} = 0.777, \frac{11}{13} = 0.846$$

$\therefore$ अवरोही क्रम $= 0.846, 0.777, 0.6 = \frac{11}{13}, \frac{7}{9}, \frac{3}{5}$

115. Ans. (4)

- यह एक मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों पर आधारित विधि है जिसमें बालक को केन्द्र मानकर अधिगम करवाया जाता है। इस विधि में **थॉर्नडाइक** के तीनों नियमों/सिद्धांतों का पालन होता है-
- **तैयारी का नियम** (Law of Readiness)- प्रोजेक्ट की योजना और चर्चा के दौरान बच्चे मानसिक रूप से तैयार होते हैं।
- **अभ्यास का नियम** (Law of Exercise)- बार-बार करने से कौशल मजबूत होता है।
- **प्रभाव का नियम** (Law of Effect)- सफलतापूर्वक कार्य पूरा करने से आनंद और संतोष मिलता है।

116. Ans. (2)

- प्रयोजना विधि शारीरिक एवं मानसिक गतिविधियों को एकीकृत करती है। जिसके माध्यम से बालक अधिगम करता है।

117. Ans. (2)

- प्रोजेक्ट पद्धति में शिक्षक की भूमिका पारंपरिक '**ज्ञान प्रदाता**' (Knowledge Provider) की नहीं होती, बल्कि वह एक मार्गदर्शक (facilitator), परामर्शदाता (advisor) और सहयोगी (co-worker) के रूप में कार्य करता है।

118. Ans. (4)

वर्तमान समय में प्रयोजना विधि से शिक्षण के दौरान मुख्यतः या सामान्यतः 6 पदों का अनुसरण किया जाता है जो निम्न है-

- **परिस्थिति प्रदान करना** (Providing a Situation)
- **प्रोजेक्ट का चुनाव और उसके उद्देश्य का स्पष्टीकरण** (Choosing of Project & Defining it's purpose)
- **परियोजना का नियोजन/कार्यक्रम बनाना** (Planning of the Project)
- **प्रोजेक्ट का क्रियान्वयन** (Execution of the Project)
- **प्रोजेक्ट का मूल्यांकन** (Evaluation of the Project)
- **प्रोजेक्ट का अभिलेखन/आलेखन** (Recording of the Project)

119. Ans. (2)

- **किलपेट्रिक के अनुसार** - "प्रोजेक्ट सामाजिक वातावरण में पूर्ण संलग्नता से किया जाने वाला उद्देश्यपूर्ण कार्य है।"
- **स्टीवेंसन के अनुसार** - "प्रोजेक्ट एक समस्यात्मक कार्य है, जिसका समाधान उसके प्राकृतिक वातावरण में रहते हुए ही किया जाता है।"
- **बैलार्ड के अनुसार** - "प्रोजेक्ट वास्तविक जीवन का एक छोटा सा अंश होता है, जिसे विद्यालय में सम्पादित किया जाता है।"

120. Ans. (3)

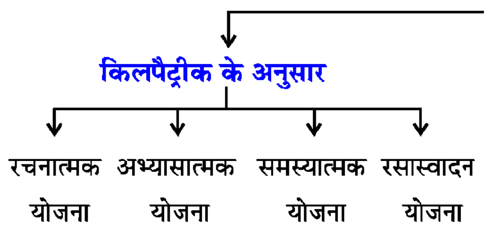

121. Ans. (2)

- विज्ञान के रूप में मानने वाले शिक्षाशस्त्रियों के अनुसार अच्छे शिक्षक प्रशिक्षण द्वारा तैयार किये जाते हैं। प्रशिक्षण से उनमें विशिष्ट शिक्षण कौशलों का विकास किया जा सकता है।
- भावी शिक्षक छात्रों के छोटे-छोटे समूह (5-10 छात्र) को 5-10 मिनट तक विभिन्न कौशलों का प्रयोग करते हुए पढ़ाये तथा उनकी ऑडियो-विडियो रिकॉर्डिंग करके या मूल्यांङ्कन द्वारा निरीक्षण का अवसर भी मिले, यह ही सूक्ष्म शिक्षण है।
- सूक्ष्म शिक्षण उपागम का उद्देश्य शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों के व्यवहार में परिवर्तन करना है।

122. Ans. (1)

- लिखना कौशल में **वर्तनी** का सर्वाधिक महत्त्व होता है। बालकों को **वर्तनी का विधिवत् ज्ञान प्राथमिक स्तर तक** हो जाना चाहिए।

123. Ans. (4)

मौखिकाभिव्यक्ति के प्रकार –

(i) औपचारिक :– साहित्यिक विधाओं के रूप में आत्माभिव्यक्ति। सभा-संगोष्ठी में स्वागत-भाषण, परिचय देना, धन्यवाद-ज्ञापन, अपील करना, बधाई/शोक-संवेदना प्रकट करना आदि।

(ii) अनौपचारिक :– आम बातचीत।

124. Ans. (3)

रेखीय अभिक्रमित अनुदेशन के चार पद होते हैं –

1. **प्रस्तावना पद :** मुख्य लक्ष्य अभिक्रम प्रारम्भ करना। (परिचय आधारित)
2. **शिक्षण पद :** पढ़ाई जाने वाली विषय-वस्तु का शिक्षण। (विषय-वस्तु आधारित)
3. **अभ्यास पद :** शिक्षण पद से प्राप्त ज्ञान का अभ्यास करना। (अभ्यास आधारित)
4. **परीक्षण पद :** सीखे गये ज्ञान का मूल्यांकन करना। (मूल्यांकन आधारित)

125. Ans. (4)

- **एफ.जी फ्रेन्च** ने संरचनात्मक उपागम से शिक्षण में तीन सिद्धांत दिये हैं, जो क्रमश: निम्न हैं–
  1. वाचन पर बल देना।
  2. भाषायी आदतों का विकास करना।
  3. छात्रों की क्रियाशीलता।

126. Ans. (1)

द्रुत पठन/त्वरित पठन/विस्तृत पठन : –

- मौन रूप से तीव्र गति से पढ़ने को द्रुत पठन कहते हैं।
- अधिक से अधिक विषयों और विस्तृत सामग्रियों को कम ध्यान देकर, कम समय में पढ़ना विस्तृत पठन है।
- द्रुत पठन का उद्देश्य कम समय में अधिक जानकारी प्राप्त कर लेना है।
- समाचार पत्रों, पत्रिकाओं व मनोरंजक साहित्य के पठन में इसका अधिक महत्त्व है।
- छात्रों में शीघ्र पढ़ने व समझने की आदत डालना, आनंद प्राप्त करना, ज्ञान भण्डार बढ़ाना व अवकाश का सदुपयोग करना इसका उद्देश्य है।

127. Ans. (3)

- **विश्लेषणात्मक श्रवण** में श्रुत सामग्री में प्रस्तुत विचारों पर तुलनात्मक दृष्टि से विचार किया जाता है तथा पूर्व अनुभव के आधार पर मूल्यांकन करके निष्कर्ष निकाले जाते हैं।

128. Ans. (3)

चिंतनात्मक पठन–

- पढ़ी हुई बात का भाव ग्रहण करना, उसके आगे-पीछे की बात को समझना, क्यों व कैसे का उत्तर समझना ही चिंतनात्मक पठन है।

129. Ans. (3)

संश्लेषणात्मक विधियाँ– इसमें वर्णमाला विधि, अक्षर विधि को सम्मिलित किया जाता है। वाचन में अक्षर बोध विधि का विशेष महत्त्व है। इसमें वाचन शिक्षण की ध्वन्यात्मक पद्धति आती है।

130. Ans. (4)

- भाषा के चार कौशल हैं, जिनका मनोवैज्ञानिक व स्वाभाविक क्रम है– **सुनना, बोलना, पढ़ना, लिखना।**
- 'सुनना' और 'बोलना' भाषा के बुनियादी कौशल हैं।

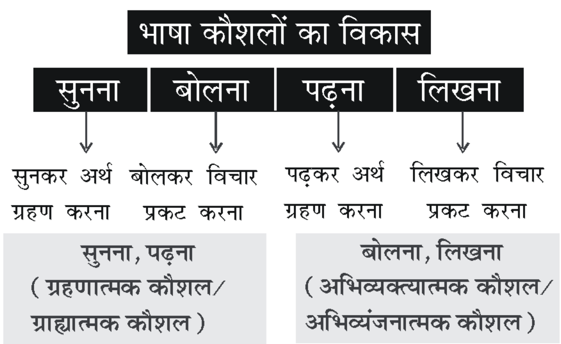

131. Ans. (2)

- **बेकन** ने लेखन कौशल के विषय में कहा है कि 'बोलना मनुष्य को पूर्णता तक पहुँचाता है, लेकिन लिखना आदमी को परम शुद्ध बनाता है।'
- **महात्मा गांधी** कहते हैं कि 'बालक को लिखना सीखाने से पहले चित्र कला सीखाना चाहिए क्योंकि अक्षर भी चित्र ही है। बालक चित्रों में रुचि रखते हुए लेखन हेतु प्रेरित होते हैं।'
- इसके विपरीत **फ्रोबेल** के अनुसार **लिखना सिखाने से पूर्व पढ़ना** सिखाया जाना चाहिए क्योंकि पठन मौखिक क्रिया है और लेखन मानसिक व शारीरिक दोनों।

132. Ans. (1)

- भाषा के चार कौशल हैं, जिनका मनोवैज्ञानिक व स्वाभाविक क्रम है- **सुनना, बोलना, पढ़ना, लिखना।**
- 'सुनना' और 'बोलना' भाषा के बुनियादी कौशल हैं।

133. Ans. (3)

अनुलेख :-

- किसी आदर्श लिखाई का वैसा का वैसा अनुकरण करना अनुलेख या अनुलिपि कहलाता है।
- इसमें छात्र शिक्षक के आदर्श लेख का बिल्कुल वैसा का वैसा अनुकरण करते हैं।

134. Ans. (2)

व्याख्या:-

- भाषा शिक्षण में लेखन कौशल के विकास के लिए "वर्ड प्रोसेसिंग कार्यक्रम" सबसे अधिक सहायक है.

  वर्ड प्रोसेसिंग कार्यक्रम (जैसे Microsoft Word): यह छात्रों को लिखने, संपादित करने, प्रारूपित करने और अपने लेखन को सहेजने की सुविधा प्रदान करता है. इसमें वर्तनी जांच, व्याकरण जांच और अन्य संपादन उपकरण होते हैं जो छात्रों को अपनी गलतियों को पहचानने और सुधारने में मदद करते हैं, जिससे उनके लेखन कौशल में सुधार होता है.

  अन्य विकल्प :

  ओडियो टेप रिकार्डर: यह मुख्य रूप से सुनने और बोलने के कौशल के लिए उपयोगी है.

  भाषा प्रयोगशाला: भाषा प्रयोगशाला एक सामान्य कक्षा का पूरक है जहाँ शिक्षार्थी सामान्य कक्षा के अध्ययन के अतिरिक्त समय में टेपित पाठों का श्रवण करते हुए अनुकरण आदि के द्वारा भाषा को व्यवहार के स्तर पर सीखते हैं।

  रेडियो व दूरदर्शन: ये मुख्य रूप से श्रवण और दृश्य कौशल के विकास में सहायक होते हैं.

135. उत्तर (2)

व्याख्या:-

- हिंदी में निम्न शब्द सदैव बहुवचन में ही प्रयुक्त होते हैं- जैसे - आँसू, होश, दर्शन, हस्ताक्षर, प्राण, भाग्य आदि।
- हिंदी में निम्न शब्द सदैव एकवचन में ही प्रयुक्त होते हैं। जैसे - सोना, चाँदी, लोहा, तेल, वर्षा, जल, क्रोध, प्रेम आदि

136. उत्तर (3)

व्याख्या:-

- अपूर्ण भूतकाल - क्रिया के जिस रूप से यह ज्ञात हो कि उसका व्यापार भूतकाल में अपूर्ण रहा अर्थात् निरंतर चल रहा था तथा उसकी समाप्ति का पता नहीं चलता है, वहाँ अपूर्ण भूतकाल होता है।
- पहचान - ता था, ती थी, ते थे, रहा था, रही थी, रहे थे जैसे - ऋषि निबंध लिखता था।

137. उत्तर (2)

व्याख्या:-

- सेकण्ड - पुंल्लिंग शब्द
- सजावट, ब्रह्मपुत्र, पूर्णिमा - स्त्रीलिंग शब्द

138. उत्तर (1)

व्याख्या:-

- ऐसा वाक्य जिसमें कहने का केन्द्र विषय कर्ता भी न हो कर्म भी न हो, वह 'भाववाच्य' का वाक्य होता है। भाव वाच्य में कर्म होता ही नहीं है और प्राय: क्रिया अकर्मक रूप की ही होती है। सामान्यत: भाववाच्य में किसी क्रिया के न कर सकने के भाव को दर्शाया जाता है, असमर्थता व्यक्त की जाती है। इसमें क्रिया हमेशा एकवचन पुंल्लिंग में होती है। यथा - मछलियों से तैरा जा रहा था।

139. उत्तर (2)

व्याख्या:-

- पीठ दिखाना - भाग जाना या पलायन करना

  प्राण हथेली पर रखना - प्राणों की परवाह न करना

  पापड़ बेलना - बहुत मेहनत करना।

  पानी में आग लगाना - असंभव कार्य करना।

140. उत्तर (1)

व्याख्या:-

- कम, इधर, अब, तेज, अवश्य, बहुत, आज, कहाँ-'अविकारी' शब्द हैं।
- छात्र (संज्ञा), मीठा, सुन्दर (विशेषण), मेरा (सर्वनाम) हैं।

141. उत्तर (3)

व्याख्या:-
- कभी-कभी कर्म गौण (लुप्त) भी होता है परंतु विश्लेषण करने पर कर्म बाहर निकल आता है, वहाँ पर सकर्मक क्रिया होती है।
- सोनल बजा रही है = सकर्मक क्रिया

142. उत्तर (2)

व्याख्या:-
- गिरना, बिगड़ना, उड़ना - अकर्मक क्रिया
- निकालना - सकर्मक क्रिया

143. Ans. (1)

- प्रश्न के अनुसार ट्रेन का चले जाना, स्टेशन पहुँचने से पहले संपन्न हुआ है। इसलिए यहाँ Past perfect tense (had+V_3) का प्रयोग होगा।

144. Ans. (1)

- वाक्य में 'before' के बाद आए हुए clause से यह स्पष्ट होता है कि वाक्य **Past** समय का है। क्योंकि किसी कार्य के होने की अवधि को भी 'for' के बाद दर्शाया गया है, ऐसे में यह वाक्य Past perfect अथवा Past perfect continous में होना संभव है।

145. Ans. (3)

- 'When' से जुड़ने वाले दोनों उपवाक्य सामान्यत: एक ही tense के होते हैं। दोनों clause में से सामान्यत: क्रिया के अनुसार एक continous form में होती है।

146. Ans. (1)

- यदि दो clauses को **Before/after** से जोड़ा जाये और Before/after से पहले वाला clause present simple या future tense का वाक्य हो तो Before/after के बाद वाला clause- Present simple में use होगा।

147. Ans. (4)

- 'Needle in a haystack' का शाब्दिक अर्थ यह है कि 'भूसे के ढ़ेर में सूई को ढूंढना' जिसका भावार्थ है कि किसी वस्तु की स्थिति (Location) ज्ञात करना बहुत कठिन है।

148. Ans. (1)

- On cloud nine का अर्थ है- अत्यधिक प्रसन्न होना।

149. Ans. (2)

- 'Once in a blue moon' का अर्थ है- एक ऐसा कार्य जो बहुत ही कम बार या ना के बराबर हो।

150. Ans. (2)

- 'To show one's true colour' का अर्थ है- अपना असली स्वभाव दर्शाना।